

कृषि सलाहकार सेवा

सितंबर 2026 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

- एक ही खेत से अलग किए गए अधिक दिनों वाली पौधों या क्लोन पौधों को **33** पौधे प्रति पूंजा प्रति वर्गमीटर की दर पर खाली स्थान का भरण करें।
- देर से रोपाई के लिए अधिक दिनों वाली पौधों को रोपें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 25-30 दिनों वाली प्रारंभिक या मध्यम अवधि की किस्मों के पुराने पौधे और लंबी अवधि की किस्मों के 45-50 दिन पुराने पौधे का उपयोग करें। कीचड़दार मिट्टी में उथली गहराई पर **15 x15** सेमी की दूरी पर **4-5** रोपाई प्रति पूंजा रोपें।
- खरपतवार के नियंत्रण के लिए रोपाई करने के 5-10 दिनों बाद शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल 0.6 + प्रीटिलाक्लोर 6% जीआर 4 किग्रा / एकड़ की दर से 4 किग्रा रेत मिलाकर प्रयोग करें या खरपतवार निकलने के 8-10 दिनों बाद (खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था) पर बिस्पायरीबैक सोडियम 10 एससी 120 मि.ली./एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता वाले 8 टैंकों से छिड़काव करें या पेनॉक्सुलम + साइहालोफॉप ब्यूटाइल (विवाया) 900 मिली/एकड़ दर पर या रोपाई के 15-20 दिन बाद फेनोक्साप्रोप-पी-एथिल+ एथोक्सिसल्फ्यूरॉन (राइस स्टार + सनराइज) 240+50 ग्राम/एकड़ दर से छिड़काव करें।
- शीघ्र रोपाई की गई धान में, यदि थ्रिप्स की समस्या देखी जाती है, तो किसान नीम के बीज की गिरी आधारित कीटनाशक जैसे अजाडिराक्टीन 0.15% 1 लीटर/एकड़ की दर से या लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ की दर से या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव कर सकते हैं।
- धान खेत में तना छेदक और पत्ता मोड़क के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रेप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिराक्टीन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर से या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर से या टेट्रानिलिप्रोल 200 एससी 100-120 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी की दर से या फ्लूबेनडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर या कार्टेप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें।
- अंडे परजीवी, ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम (एनआरआरआई ट्राइकोकार्ड-टी.जे) और ट्राइकोग्रामा चिलोनीस (एनआरआरआई ट्राइकोकार्ड-टी.सी) क्रमशः तना छेदक और पत्ती फोल्डर संक्रमण का प्रबंधन करने के लिए एक बार कीटें दिखाई देने के बाद प्रति हेक्टेयर तीन कार्ड (जिसमें ~ 60000 परजीवी अंडे होते हैं) विमोचित करें। अंडे के द्रव्यमान या कीट गतिविधि के समाप्त होने तक हर 7-10 दिनों के अंतराल पर ऐसे पांच विमोचन किए जाते हैं जो भी पहले हो।

- जब भी दो मुड़ी हुई पत्तियां/पूजा दिखाई दें तो पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल **18.5%** एससी **60** मिली/एकड़ दर से या फ्लूबेंडियामाइड **20** डब्ल्यूजी **50** ग्राम/एकड़ या करटाप **50** डब्ल्यूपी **400** ग्राम/एकड़ दर से टेट्रानिलिप्रोल **200** एससी **100-120** मिली/एकड़ **200** लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- झुंड वाले इल्लियों/केस वर्म/हिस्पा के संक्रमण के मामले में, क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 500 मिली/एकड़ दर से या फेन्थोएट 50% ईसी 400 मिली/एकड़ दर से छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।
- गॉल मिज संक्रमण होने पर फिप्रोनिल 05% एससी 400-600 मिली/एकड़ दर से या लैम्ब्डा-साइहालोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 500 मिली/एकड़ दर से या कार्बोफुरन 3जी 10 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें।
- धान खेत में तना छेदक के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर से या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर से या कार्टेप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या टेट्रानिलिप्रोएल 200 एससी (18.18% w/w) 100 - 120 मिली/एकड़ की दर से या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी की मात्रा का प्रयोग करें।
- जीवाणुज अंगमारी/जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में, प्लांटोमाइसिन 1 ग्राम/लीटर की दर से कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.5-0.75 ग्राम/लीटर सहित 200 लीटर पानी प्रति एकड़ का प्रयोग करें।
- यदि 1-2 दौजी में आच्छद अंगमारी प्रकोप देखा जाता है टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें या प्रोपिकोनाज़ोल 75% 1 मिली प्रति लीटर पानी दर से या हेक्साकोनाज़ोल 50% 2 मिली प्रति लीटर पानी में या वैलिडैमाइसिन 3L 2 मिली/लीटर पर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।
- यदि पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, रोग को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ दर पर या एडिफोनफेस 50 ईसी 2 मिली/लीटर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्राइसाइक्लाज़ोल 75 डब्ल्यूपी 0.6 ग्राम/लीटर की दर से छिड़काव करें या वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में मदद कर सकता है।
- सीधी बुआई वाले चावल में भूरा धब्बा होने की स्थिति में, प्रोपिकोनाज़ोल **25**ईसी **200** मिली/एकड़ दर से या मैनकोज़ेब **75** डब्ल्यूपी **400** ग्राम/एकड़ दर से या कार्बेन्डाजिम **50** डब्ल्यूपी **400** ग्राम/एकड़ दर से या कार्बेन्डाजिम **64%** + मांकोजेब **8% 75** डब्ल्यूपी **300** ग्राम/एकड़ दर पर का छिड़काव करें। एक एकड़ क्षेत्र के लिए **200** लीटर घोल का प्रयोग करें।
- चावल की खेती से संबंधित रोग और नेमाटोड कीट समस्याएं के निपटने के लिए आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक में एक "राइस हेल्थ क्लिनिक" स्थापित किया गया है। । यदि आप अपनी

चावल की फसल में ऐसी कोई समस्या देखते हैं, तो प्रभावित चावल के पौधे का नमूना सोमवार से शुक्रवार तक कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 12.30 बजे तक राइस हेल्थ क्लिनिक में लाएं। क्लिनिक में लाए गए नमूने की वैज्ञानिक रूप से जांच की जाएगी और जब भी आवश्यक हो, संस्थान के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों से सलाह ली जाएगी।
